नवभारत 04
इंदौर, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026

एक नजर में

जिले द्वारा उत्कृष्ट बोर्ड परीक्षा परिणाम प्रदर्शन पर कलेक्टर नीतू माथुर ने हर्ष व्यक्त कर विद्यार्थियों को दी बधाई

जिले का 10वीं में प्रदेश में दूसरा, 12वीं में चौथा स्थान

आलीराजपुर । मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में आलीराजपुर जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले का 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 92.14 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के 78.70 प्रतिशत से काफी बेहतर है। वहीं 12वीं कक्षा का परिणाम भी उल्लेखनीय सुधार के साथ 91.59 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष 61.28 प्रतिशत था। इस शानदार प्रदर्शन के चलते जिला 10वीं में पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान और 12वीं में चतुर्थ स्थान पर रहा है। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने सफल विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि जिले के छात्रों में अपार प्रतिभा है, जिन्हें सही मार्गदर्शन मिलने पर वे हर ऊंचाई हासिल कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट परिणाम देने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री निधि मिश्रा का उनके प्रयासों के लिए सम्मान भी किया। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी एवं एसडीएम सुश्री निधि मिश्रा ने बताया कि इस सफलता के पीछे योजनाबद्ध तैयारी और लगातार प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के मार्गदर्शन में जिले में वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा प्रश्न बैंक तैयार कराया गया, जुलाई से नियमित तैयारी शुरू कराई गई, रेमेडियल कक्षाएं संचालित की गईं तथा शिक्षकों को विषयवार प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही ब्लूप्रिंट आधारित शिक्षण और समय-समय पर परीक्षा परिणामों का विश्लेषण भी किया गया। जिले की इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिले के छात्र दिव्य नरेश मंत्री ने प्रदेश में पाया 7वां स्थान, कलेक्टर ने किया सम्मानित

आलीराजपुर। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में जिले के डॉन बास्को स्कूल, आलीराजपुर के वाणिज्य संकाय के छात्र दिव्य नरेश मंत्री ने 12वीं कक्षा में 97% अर्जित कर पूरे प्रदेश में 7वां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने उन्हें एवं उनके अभिभावकों को कलेक्टर कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया तथा हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने दिव्य नरेश से उनकी परीक्षा तैयारी के संबंध में चर्चा की और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। दिव्य नरेश ने बताया कि वे आगे ग्रेजुएशन में बीबीए करना चाहते हैं और इसके बाद आईआईएम से मास्टर डिग्री हासिल करना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में एक सफल उद्यमी (इंटरप्रेन्योर) बनना चाहते हैं। कलेक्टर श्रीमती माथुर ने दिव्य नरेश को भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ अध्ययन करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचियों के लिए भी समय निकालें और सोशल मीडिया का सकारात्मक एवं सही उपयोग करें, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल बन सके। इस दौरान दिव्य नरेश मंत्री की माता, उनके बड़े भाई, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री निधि मिश्रा तथा डिप्टी कलेक्टर श्री तपिस पांडे उपस्थित रहे।

ई-टोकन प्रणाली से होगा उर्वरक वितरण अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

आलीराजपुर । किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत जिले में किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1 अप्रैल 2026 से शत-प्रतिशत उर्वरक वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। उर्वरक वितरण प्रणाली को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए कृषि विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। उपसंचालक कृषि श्री एस.एस. चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उर्वरक का वितरण पूरी तरह ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रों, मार्केटिंग सोसायटियों और सभी निजी विक्रेताओं का सत्यापन कर अनियमितताओं पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि उर्वरक की कालाबाजारी, यूरिया के औद्योगिक उपयोग तथा अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर, पीओएस मशीन और भौतिक स्टॉक का मिलान करने के निर्देश भी दिए गए। सभी विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिना ई-टोकन किसी भी किसान को उर्वरक का विक्रय न किया जाए। साथ ही स्टॉक और बिक्री से संबंधित जानकारी को नियमित रूप से अद्यतन रखना अनिवार्य किया गया है। उप संचालक कृषि श्री सज्जन सिंह चौहान ने कृषि ने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक प्राप्त करने के लिए निर्धारित ई-टोकन प्रक्रिया का पालन करें और वैज्ञानिकों की अनुशंसा के अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करें।

समयावधि बैठक में लगातार अनुपस्थिति पर जिला खेल अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

आलीराजपुर । कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में जिले में प्रति सप्ताह आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में लगातार अनुपस्थित रहने पर जिला खेल अधिकारी सुश्री संतरा निनामा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। बैठक में अनिवार्य उपस्थिति हेतु स्टैंडिंग ऑर्डर जारी किए जाने के बावजूद वे बिना सूचना एवं अनुमति के प्रत्येक बैठक से अनुपस्थित रही हैं।साथ ही अनुपस्थिति के संबंध में न तो लिखित रूप से और न ही मौखिक रूप से संबंधित अधिकारी को अवगत कराया गया। इससे विभागीय कार्यों की समीक्षा प्रभावित हो रही है तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों एवं निर्देशों की अवहेलना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने इसे कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता मानते हुए म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03(1), (2), (3) एवं नियम 7 के अंतर्गत कदाचार की श्रेणी में माना है। सूचना प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए।

धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726वीं जयंती

जिले भर के समाजजन हुए एकजुट

आलीराजपुर। सेन समाज द्वारा संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726वीं जयंती इस वर्ष अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन नरसिंहानंदजी के समाधि स्थल पर किया गया, जिसमें जिले भर से समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

पूजा-अर्चना से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ : कार्यक्रम की शुरुआत संत शिरोमणि सेन जी महाराज की पूजा-अर्चना एवं वंदना से हुई। समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं युवाओं ने एकत्रित होकर श्रद्धाभाव से भाग लिया और संत के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।इसके पश्चात समाज की उन्नति, एकता और खुशहाली के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।कार्यक्रम में विशेष आकर्षण उस समय देखने को मिला जब समाज के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने संत सेन जी महाराज का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया।इस अवसर पर बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी भी अपनी सांस्कृतिक विरासत और संत परंपरा से गहराई से जुड़ी हुई है।

सामूहिक महा आरती के पश्चात विशाल स्तर पर भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए समाजजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।पूरा आयोजन अनुशासन, श्रद्धा और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिसमें समाज के लोगों ने तन, मन और धन से सहयोग देकर इसे सफल एवं यादगार बनाया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ ग्यारसीलाल भाटिया ने संत सेन जी महाराज के जीवन, उनके त्याग, सेवा और समर्पण की भावना पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

महिला सेन समाज अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गजेन्द्र भाटिया ने गौ माता के महत्व को रेखांकित करते हुए 'गौ सम्मान' कार्यक्रम को बढ़ावा देने का आह्वान किया। जिला सेन समाज अध्यक्ष नवीन सेन ने समाज में भाईचारा, एकता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

समाज के प्रमुख जनों का सराहनीय सहयोग : इस भव्य आयोजन में अनेक समाजसेवियों एवं युवाओं का विशेष योगदान रहा, जिनमें प्रमुख रूप से एआईजे अध्यक्ष विक्रम सेन, विकास देवड़ा, चंद्र प्रकाश कोरसिया, विशाल सेन, देव देवड़ा, राजेश कोरसिया, शांतिलाल सेन, संदीप भाटिया, राकेश सेन, संतोष सेन, प्रशांत सेन, सुमित सेन, मयूर सेन, गोपाल सेन तथा युवा कार्यकारिणी के अंकित सेन, तिलक सेन, प्रतीक सेन, प्रयाग सेन एवं सुजल सेन शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर समाज संरक्षक जयंतीलाल सेन ने सभी सहयोगियों, अतिथियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार एकजुटता और सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम की जानकारी जिला सेन समाज अध्यक्ष नवीन सेन द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदान की गई।

तहसील और नगर परिषद स्तर पर फील्ड ट्रेनर को दिया जा रहा प्रशिक्षण

आलीराजपुर । आगामी जनगणना 2027 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिले में तहसील एवं नगर परिषद स्तर पर चार्ज ऑफिसर्स के निर्देशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में तहसील आलीराजपुर में एक विस्तृत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें फील्ड ट्रेनर्स (प्रगणकों और सुपरवाइजर) को जनगणना की प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों और सुपरवाइजर को समझाया गया कि किस प्रकार वे डोर-टू-डोर सर्वेक्षण के माध्यम से प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सटीक एवं अद्यतन जानकारी एकत्रित करेंगे। मास्टर ट्रेनर ने बताया कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता, शुद्धता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान रखना है। कार्यशाला में कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर भी शामिल हुईं और प्रशिक्षण सत्र का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य को अत्यंत गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जैसे पूर्व में एसआईआर(विशेष गहन पुनरीक्षण) कार्य को गंभीरता से संपादित किया गया था, उसी प्रतिबद्धता के साथ इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को भी पूर्ण करना होगा। उन्होंने प्रगणकों और सुपरवाइजर को कहा कि यदि किसी भी प्रकार का संदेह या प्रश्न उत्पन्न हो, तो वे अपने ट्रेनर्स से तुरंत समाधान प्राप्त करें।

इस बार की जनगणना विशेष रूप से डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जो पूर्व की पारंपरिक प्रक्रियाओं से भिन्न है। इसलिए सभी को तकनीकी दक्षता के साथ कार्य करने की आवश्यकता होगी। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर ने सभी ट्रेनर्स को फील्ड में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शुभकामनाएं देकर कहा कि जिले में जनगणना कार्य सफलता एवं सटीकता के साथ पूर्ण किया जाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में लापरवाही पर तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

आलीराजपुर । जिला कलेक्टर नीतू माथुर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम द्वारा अभियान अंतर्गत किए गए कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 अंतर्गत अपूर्ण कार्यों एवं प्रगति में लापरवाही पाए जाने पर जनपद पंचायत चन्द्रशेखर आजाद नगर के तीन अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत बेहडवा, मालपुर छोटी एवं सेजावाडा क्षेत्र में खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज तथा अमृत सरोवर से संबंधित कार्य प्रारंभ तो हुए है किंतु मानकों का अभाव और कार्य में गुणवत्ता नहीं पाई गई। साथ ही किसी भी कार्यस्थल पर श्रमिक उपस्थित नहीं मिले। मनरेगा पोर्टल पर लक्षित दर्ज कार्य होने के बावजूद जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मात्र 2 कार्यों पर ही मस्टर जारी पाया गया। इसके अलावा द्व-चक्षुष्ट की प्रगति 74 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसे 100 प्रतिशत किया जाना अपेक्षित था। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भाबरा श्री इंदरसिंह पटेल ,अति. कार्यक्रम अधिकारी भाबरा नितिन पाटीदार तथा सहायक यंत्री परसू सिंगाड को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनगणना 2027- स्व-गणना व प्रचार हेतु बैठक आयोजित

आलीराजपुर । संयुक्त कलेक्टर मनोज गरवाल ने बताया कि भारत की जनगणना - 2027 दो चरणों में आयोजित की जा रही है प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना एवं द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना रहेगा। मकानों की सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 01 मई 2026 में 30 मई 2026 तक किया जाएगा , जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु जिला अंतर्गत ग्रामीण , तहसील एवं नगरीय स?तर पर सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही है । संयुक्त कलेक्टर गरवाल ने बताया कि जनगणना 2027 के तहत पहली बार स्वगणना का विकल्प रहेगा , जो कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक रहेगा जिसके अंतर्गत जनसामान्य वेब पोर्टल के माध्यम अपनी जानकारी स्वंय दर्ज कर सकते है।

श्री गरवाल ने बताया कि जनगणना 2027 के उचित क्रियान्वयन के लिए दिनांक 16 अप्रैल 2026 प्रातः 12 बजे कलेक?टर सभाकक्ष में कलेक?टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में जिले के समस्त जनप्रतिनिधियों के साथ साथ बैठक एवं जिले के पत्रकार बंधुओं के साथ प्रेस कॉन्प्रेंस का आयोजन किया जाएगा ।-

राष्ट्र निर्माण की शतकीय यात्रा में संघ का योगदान अतुलनीय : शंभुप्रसाद गिरी

पेटलावद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में समाज के हित, संगठन और राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। किसी भी संगठन का शताब्दी तक सतत चलना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। संघ 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' की परिकल्पना को साकार करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उक्त विचार नगर में आयोजित तीन खंडों की प्रमुखजन गोष्ठी में मुख्य वक्ता शंभुप्रसाद गिरी, अखिल भारतीय सह ग्राम विकास संयोजक, ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सामूहिक गीत अर्जुन आंजना द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मंच पर खंड संघचालक रणछोड़ आंजना, भारत सिंह सिसोदिया एवं मगन कटारा उपस्थित रहे।

गिरी ने कहा कि संघ ने अपनी शतकीय यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव एवं प्रतिबंधों का सामना करते हुए भी हिंदू समाज के हित में निरंतर कार्य किया है। समाज में समानता, समरसता और सेवा के भाव को सुदृढ़ करने हेतु 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के ध्येय वाक्य पर कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उन्होंने बताया कि समाज में भ्रम फैलाने और विभाजनकारी शक्तियों द्वारा हिंदुओं को बाँटने के अनेक प्रयास हुए हैं, किंतु संघ ने जागरूकता के माध्यम से इन प्रयासों का सशक्त उत्तर दिया है। गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने हेतु संघ द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाकर संरक्षण के प्रयास किए गए हैं।

धर्मांतरण की सक्रिय चुनौतियों का उल्लेख करते हुए श्री गिरी ने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही इन शक्तियों का प्रभावी उत्तर दे सकता है। समाज को एकजुट होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। अपने उद्बोधन में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में संचालित 'पंच परिवर्तन' अभियान पर विशेष जोर देते हुए कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वअनुशासन, समरसता एवं स्वदेशी आचरण को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के माध्यम से सशक्त परिवार, संगठित समाज और आत्मनिर्भर राष्ट्र की परिकल्पना साकार की जा सकती है।

एक नजर में पेटलावद के श्री संकट मोचन खेड़ापति हनुमान सरकार के पावन सानिध्य में चल रही भागतव कथा

नई बहू को घर के माहौल में ढलने का समय दें : सुगुणा बाईसा

पेटलावद. श्री संकट मोचन खेड़ापति हनुमान सरकार के पावन सानिध्य में चल रही भागवत सप्ताह के अंतिम दिवस कथा व्यास सुगुणा बाईसा ने कहा कि श्रीमदभागवत कथा कथा वास्तव में भक्त को भगवान से मिलना का माध्यम है। यह कथा मन को निर्मल कर अज्ञान को दूर करती है, जिससे हृदय में भक्ति जागृत होती है। सात दिनों की यह कथा न केवल मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास लाती है, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़कर निष्काम प्रेम का मार्ग भी दिखाती है।

सुगना बाईसा ने कहा की भागवत कथा श्रमण करने से के आध्यात्मिक लाभ होता है। आत्मिक शुद्धि मिलती है। भागवत कथा नियमित रूप से सुनने से मन के विकार दूर होते हैं और मन पवित्र होता है। भागवत कथा ज्ञान व भक्ति का समन्वय है, यह कथा जीवन में सच्चाई, करुणा और धैर्य सिखाती है।

भागवत कथा श्रमण करने से मोक्ष प्राप्त होता है। जेसे राजा परीक्षित ने भागवत कथा श्रमण कर मोक्ष प्राप्त किया उसी तरह यह कथा भक्तों को मृत्यु के भय से मुक्त कर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है. भागवत कथा के माध्यम से ही जीव अपनी आध्यात्मिक चेतना को जगाकर भगवान की शरण में जाता है।

भागवत कथा व्यास ने सास बहू के झगड़ो होना आम बात हो गई है। जिससे मां बाप अपने बेटे बहु से अलग रहने लगी है। साध्वी ने कहा कि नयी बहू को नए घर के माहौल और रिश्तों में ढलने के लिए पर्याप्त समय देना अत्यंत आवश्यक है। 20-22 साल की युवती से 50 साल के अनुभव जैसी समझदारी की उम्मीद न करें, बल्कि धैर्य और समझदारी से उनके साथ रिश्ते बनाएं। रिश्ता दबाव से नहीं, प्यार और सम्मान से चलता है, इसलिए उन्हें अपनापन महसूस कराएं।

उन्होंने कहा की नई बहु आई है तो उसे समझने और अपनापन दे। धैर्य रखें नई जगह पर हर कोई जल्द नहीं ढल पाता। बहु को अपने हिसाब से घर के तौर-तरीकों को समझने का समय दें। उस पर तुरंत घर के सभी कामों की जिम्मेदारी या उम्मीदों का बोझ न डालें।

भागवत कथा के अंतिम दिन कथा वक्ता सुगुणा बाईसा ने भगवान श्रीकृष्ण- सुदामा मिलन प्रसंग का सुमधुर वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सुदामा जी भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र और भक्त थे। वह समस्त वेद पुरानों के ज्ञाता और विद्वान गरीब ब्राह्मण थे, लेकिन सुदामा ने कभी अपने मित्र द्वारकाधीश को कभी अपनी गरीबी का एहसास नहीं होने दिया। सुदामा की गरीबी देखकर भगवान के आंखों में आंसू आ गए। सुदामा कुछ दिन द्वारिकापुरी में रहे, लेकिन संकोच बस कुछ मांग नहीं सके, जब भगवान श्रीकृष्ण सुदामा को द्वारिकापुरी से विदा करते कुछ दूर तक छोड़ने आए और उनसे गले लगे, तब सुदामा सोचने लगे की घर में पत्नी पूछेगी कि अपने मित्र से क्या लाये हो? वह क्या जवाब देंगे? यही सोच कर घर की ओर जा रहे थे .